मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 96, मुंबई, गुरुवार, 27 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

एंटीगुआ मीडिया का दावा

भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी क्यूबा भागते वक्त डोमिनिका से...

गिरफ्तार

एंटीगुआ-बारबुडा से लापता हुआ था

आपको बता दें कि एक दिन पहले यह खबर आई थी कि चौकसी एंटीगुआ-बारबुडा से लापता हो गया है। वहां की मीडिया के मुताबिक पुलिस रविवार से चौकसी की तलाश कर रही थी। चौकसी आखिरी बार रविवार शाम 5.15 बजे उसकी कार में देखा गया था। उसकी कार तो मिल गई, लेकिन चौकसी का पता नहीं चल पाया।

एंटीगुआ के पीएम बोले- सीधा भारत के हवाले करें

संवाददाता / नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले का आरोपी और भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी डोमिनिका में पकड़ा गया है। एंटीगुआ मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि 62 साल का चौकसी डोमिनिका से क्यूबा भागने की फिराक में था, उसी दौरान उसे सीआईडी ने दबोच लिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अभी नहीं टला कोरोना का खतरा

महाराष्ट्र में हर 100 में से 2 संक्रमित जान गंवा रहे

पिछले 2 महीने में महामारी से 36 हजार से ज्यादा मौतें हो चुकीं

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले लगातार घट रहे हैं, लेकिन मौतें चिंता का सबब बनी हुई हैं। यहां पिछले 24 घंटे में 24,136 नए मरीज मिले और 601 लोगों की मौत हुई। राहत की बात यह रही कि बीते दिन 36,176 लोगों ने कोरोना को मात दी। राज्य का रिकवरी रेट 92.76% तक पहुंच गया है। हालांकि, खतरा अभी टला नहीं है। राज्य में कोरोना से होने वाली मौतों के आंकड़े अब भी कम नहीं हो रहे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बंगाल चक्रवात यास से बुरी तरह हुआ प्रभावित

सेना ने 700 लोगों को बचाया

संवाददाता

नई दिल्ली। सेना ने पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के विभिन्न हिस्सों से लगभग 700 लोगों को बचाया है जो चक्रवात 'यास' से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य का बड़ा तटीय क्षेत्र जलमग्न हो गया है। इस संबंध में एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि सेना ने दक्षिण 24 परगना और हावड़ा में भी विभिन्न जगहों से फंसे हुए लोगों को बचाया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बेवजह का विवाद

किसी महामारी से जूझते हुए समाज में अगर चिकित्सकों को एक बेवजह के विवाद में उलझ जाना पडे, तो इसे कोई अच्छा लक्षण नहीं माना जा सकता। योगगुरु रामदेव ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति को लेकर जो बयान दिए, और उनसे जो विवाद खड़ा हुआ है, वह ऐसा ही विवाद है। रामदेव के आरोपों का जवाब आधुनिक चिकित्सकों के तमाम संगठनों ने दिया और यह मांग की कि वह माफी मांगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने, जो खुद एक ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं, योगगुरु रामदेव से आग्रह किया और रामदेव ने अपने बयान पर खेद भी व्यक्त किया, लेकिन यह विवाद थमा नहीं है। इस वक्त अगर किसी पेशे के लोग सबसे ज्यादा खतरा उठा रहे हैं, तो वह डॉक्टर ही हैं, जो दिन में कई-कई घंटे कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे रहते हैं। देश भर से कई सौ डॉक्टरों की कोरोना से मौत की खबरें आई हैं, बल्कि दुनिया भर में इस महामारी से बहुत डॉक्टर जान गंवा चुके हैं। ऐसी स्थिति में उनके या उनके काम के बारें में विवादास्पद बातें करने से बचा जा सकता था; बचने की जरूरत है। ऐसी बातें करना न सिर्फ डॉक्टरों के मनोबल को गिराना है, बल्कि मरीजों के मन में भी इनसे संदेह पैदा होता है। भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का बहुत सम्मान है और उनके प्रति समाज में काफी गहरा विश्वास है। इसी वजह से भारत उन कुछ देशों में से एक है, जहां वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को भी मान्यता मिली हुई है। मगर यह भी सच है कि परंपरागत ज्ञान या अनुभव पर आधारित चिकित्सा पद्धतियों में बहुत कुछ मूल्यवान है, तो उनकी सीमाएं भी बहुत हैं, क्योंकि वे तब विकसित हुईं, जब सूक्ष्म जांच-परख के तरीके और उपकरण नहीं थे। आम तौर पर भारतीय जन इस बात को सहज रूप से जानता है, और यह समझता है कि कब उसे डॉक्टर या अस्पताल की शरण में जाने की जरूरत है। दूसरी तरफ, रामदेव जैसे योग व आयुर्वेद के प्रचारकों का प्रभाव भी समाज में काफी है, इसलिए जब वह सनसनीखेज दावे करते हैं या कोई आरोप लगाते हैं, तब उसका गलत असर हो सकता है। यह सही है कि कोरोना का अक्सीर इलाज आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में नहीं है, मगर चिकित्सा वैज्ञानिकों को यह भी मालूम है कि उनके ज्ञान की सीमा कहां है और वे उसके आगे बढ़ने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। कोरोना के मरीजों के इलाज में पिछले एक साल में बहुत तरक्की हुई है। दूसरे, कोरोना के गंभीर मरीजों को बचा सकने का जितना भी सामर्थ्य है, वह आधुनिक चिकित्सा में ही है। अगर किसी मरीज का ऑक्सीजन का स्तर एक हद से नीचे चला गया, तो वह किसी काढे. या प्राणायाम से नहीं ठीक हो सकता, उसे ऑक्सीजन ही देना होगा। कोरोना एक ऐसी बीमारी है, जिसमें नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं, चाहे वे कोई भी इलाज करें या न करें। इसलिए इसके बारे में अवैज्ञानिक दावे करना आसान है। लेकिन हमें यह समझना जरूरी है कि सवाल किसी पद्धति या व्यक्ति-संस्था की प्रतिष्ठा का नहीं, लोगों की सेहत का है, इसलिए थोड़ा संयम बरतना ठीक होगा। फिर अतिरंजित दावों से आयुर्वेद या परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की विश्वसनीयता कम ही होती है। इसलिए अपनी सीमाओं को समझना सबके हित में है।

महान असफलताओं के दो साल !

असफलताओं को महान बताना एक किस्म का विशेषण विपर्यय है, लेकिन यह जरूरी है क्योंकि इन दो सालों की असफलताएं इतनी बड़ी हैं कि कोई दूसरा विशेषण उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। ये असफलताएं हर किस्म की हैं। वैसे तो नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने सात साल हो गए हैं। लेकिन सिर्फ दो साल का आकलन इसलिए क्योंकि पहले पांच साल के उनके कामकाज पर देश की जनता ने अपनी सहमति दी है। उन्हें पहले से ज्यादा वोट और ज्यादा सीटें देकर फिर से सत्ता सौंपी। नोटबंदी और जीएसटी जैसी महान भूलों को जनता ने क्षमा किया या स्वीकार करके आगे बढ़ने का निश्चय किया। उन पांच सालों की बातें भले इतिहास में जिस रूप में दर्ज हुई हों पर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में उसे एक सफलता के तौर पर देखा जाएगा। उसकी सफलता थी, जो नरेंद्र मोदी ज्यादा बड़े बहुमत के साथ 30 मई 2019 को फिर से देश के प्रधानमंत्री बने। आजाद भारत के इतिहास में वे तीसरे नेता हैं, जिन्होंने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करके लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अगले हफ्ते उनके दूसरे कार्यकाल का दो साल पूरा होगा। ये दो साल महान असफलताओं के रहे हैं।

असफलताओं को महान बताना एक किस्म का विशेषण विपर्यय है, लेकिन यह जरूरी है क्योंकि इन दो सालों की असफलताएं इतनी बड़ी हैं कि कोई दूसरा विशेषण उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। ये असफलताएं हर किस्म की हैं। इन दो सालों में सरकार शासन और प्रशासन के मुद्दे पर असफल रही तो राजनीतिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भी बुरी तरह से पिटी। संविधान प्रदत्त महान, उदात्त मूल्यों का जैसा क्षरण इन दो वर्षों में हुआ वह भी ऐतिहासिक रहा। सामाजिक विभाजन गहरा होने की जो प्रक्रिया सात साल पहले तेज हुई थी वह इन दो सालों में रफ्तार पकड़ चुकी है। अगर घटनाओं का जिक्र करते हुए कहें तो नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, किसान आंदोलन, कोरोना वायरस की महामारी और अर्थव्यवस्था के ऐतिहासिक संकट और चीन के

भारत की जमीन कब्जा करने जैसे किसी भी मसले को सरकार ठीक ढंग से नहीं संभाल सकी।

कोरोना वायरस का संकट सदी का संकट है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद मानवता के सामने आया यह सबसे बड़ा संकट है। फिर इस संकट से निपटने के लिए उनकी सरकार ने क्या किया? भारत में वायरस का पहला केस 30 जनवरी 2020 को आया था और तब प्रधानमंत्री 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम कराने में बिजी थे। पहला केस आने के एक महीने बाद यह कार्यक्रम हुआ और तब तक भारत सरकार ने कोरोना की महामारी को न देखा, न समझा और न इसका मुकाबला करने के लिए कोई रणनीति बनाई। प्रधानमंत्री ने अपने गृह राज्य में लाखों लोगों को जुटा कर ट्रंप का स्वागत कराया। वह कोरोना का पहला सुपर स्प्रेडर कार्यक्रम था। उसके बाद एक के बाद एक गलतियां होती गईं। प्रधानमंत्री ने बिना सोचे-समझे पूरे देश में चार घंटे की नोटिस पर लॉकडाउन कराया। इसके बाद करोड़ों प्रवासी मजदूरों ने शहरों और महानगरों से अपने गांवों की ओर पैदल चलना शुरू किया। वह हृदय विदारक दृश्य था। वह घटना इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने न सिर्फ यह संकट पैदा किया, बल्कि इस महान संकट के बीच सरकार सामान्य मानवीय सरोकार भी नहीं दिखा सकी। भारत में कोरोना वायरस का संकट खराब शासन की मिसाल बन गया। सरकार कदम कदम पर गलतियां करती गई। दुनिया के सबसे सख्त लॉकडाउन ने देश के करोड़ों लोगों को बेरोजगार बनाया और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी। लेकिन सरकार ने अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ नहीं किया। भारत सरकार ऐसे संकट के समय भी आपदा को अवसर बनाने के सिद्धांत पर काम करती रही। उसने गैर-जरूरी कृषि कानून बनाए और मजदूरों को गुलाम बनाने वाले श्रम सुधार किए और पूरा वित्त वर्ष जाया कर दिया। कृषि कानूनों के विरोध में किसान छह महीने से आंदोलन कर रहे हैं और दिल्ली की सीमा पर बैठे हैं लेकिन सरकार किसानों की समस्या सुलझाने की बजाय उनके आंदोलन को बदनाम करने में लगी है।

पिछले साल अगस्त के महीने में जब दुनिया के देश वैक्सीन के लिए एडवांस ऑर्डर दे रहे थे और अग्रिम भुगतान कर रहे थे तब भारत की सरकार अनलॉक के खेल में उलझी रही और इस मुगालते में रही कि कोरोना का संकट खत्म हो रहा है। प्रधानमंत्री ने जनवरी में विश्व मंच से ऐलान कर दिया कि भारत ने कोरोना से जंग जीत ली। भारत ऐसा देश बना, जिसने वैक्सीन की मंजूरी देने के बाद भी अपने नागरिकों की जरूरत के मुताबिक वैक्सीन की बुकिंग नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ है कि आज फिर पूरा देश बंद है और नागरिक वैक्सीन के लिए भटक रहे हैं। इससे पहले ऑक्सीजन, दवा, अस्पताल में बेड्स और श्मशानों में अंतिम संस्कार आदि के लिए जो हाहाकार मचा वह विफलता की ऐतिहासिक दास्तां है। मोदी सरकार की दूरदृष्टिहीनता और कुशासन ने इन दो सालों में देश को कई दशक पीछे पहुंचा दिया। नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने और संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए लागू करने से हुई थी। जरा इस पर विचार करें कि भारत सरकार ने क्या सोच कर नागरिकता कानून में संशोधन किया था? इस कानून को संसद के दोनों सदनों से पास हुए और राष्ट्रपति की मंजूरी मिले डेढ़ साल से ज्यादा हो गए हैं और सरकार ने इसे लागू ही नहीं किया। अपनी मूल भावना में यह कानून गलत नहीं है। दुनिया भर में हिंदुओं का एक देश भारत है और अगर दुनिया के किसी भी हिस्से में प्रताड़ित होकर हिंदू भारत आता है तो उसे इस देश की नागरिकता मिलनी चाहिए। भारत भले हिंदू राष्ट्र नहीं है पर यह धर्म के आधार पर बंटा और बना राष्ट्र है।

सरकार और किसान बात करें

किसान आंदोलन को चलते-चलते आज छह महिने पूरे हो गए हैं। ऐसा लगता था कि शाहीन बाग आंदोलन की तरह यह भी कोरोना के रेले में बह जाएगा लेकिन पंजाब, हरयाणा और पश्चिम उत्तरप्रदेश के किसानों का हौसला है कि अब तक वे अपनी टेक पर टिके हुए हैं। उन्होंने आंदोलन के छह महिने पूरे होने पर विरोध-दिवस आयोजित किया है। अभी तक जो खबरें आई हैं, उनसे ऐसा लगता है कि यह आंदोलन सिर्फ ढाई प्रांतों में सिकुड़कर रह गया है। पंजाब, हरयाणा और आधा उत्तरप्रदेश। इन प्रदेशों के भी सारे किसानों में भी यह फैल पाया है नहीं, यह भी नहीं कहा जा सकता। यह आंदोलन तो चौधरी चरणसिंह के प्रदर्शन के मुकाबले भी फीका ही रहा है। उनके आहवान पर दिल्ली में लाखों किसान इंडिया गेट पर जमा हो गए थे। दूसरे शब्दों में शक पैदा होता है कि यह आंदोलन सिर्फ खाते-पीते या मालदार किसानों तक ही तो सीमित नहीं है ? यह आंदोलन जिन तीन नए कृषि-कानूनों का विरोध कर रहा है, यदि

देश के सारे किसान उसके साथ होते तो अभी तक सरकार घुटने टेक चुकी होती लेकिन सरकार ने काफी संयम से काम लिया है। उसने किसान-नेताओं से कई बार खुलकर बात की है। अब भी उसने बातचीत के दरवाजे बंद नहीं किए हैं। किसान नेताओं को अपनी मांगों के लिए आंदोलन करने का पूरा अधिकार है लेकिन आज उन्होंने जिस तरह से भी छोटे-मोटे विरोध-प्रदर्शन किए हैं, उनमें कोरोना की सख्तियों का पूरा उल्लंघन हुआ है। सैकड़ों लोगों ने न तो शारीरिक दूरी रखी और न ही मुखपट्टी लगाई। पिछले कई हफ्तों से वे गांवों और कस्बों के रास्तों पर भी कब्जा किए हुए हैं। इसीलिए आम जनता की सहानुभूति भी उनके साथ घटती जा रही है। हमारे विरोधी नेताओं को भी इस किसान विरोध-दिवस ने बेनकाब कर दिया है। वे कुंभ-मेले और प. बंगाल के चुनावों के लिए भाजपा को कोस रहे थे, अब वही काम वे भी कर रहे हैं। उन्हें तो किसान नेताओं को पटाना है, उसकी कीमत चाहे जो भी हो। कई प्रदर्शनकारी किसान पहले भयंकर ठंड में अपने प्राण गवां चुके हैं और अब गर्मी में कई लोग बेमौत मरेंगे। किसानों को उकसाने वाले हमारे नेताओं को किसानों की जिंदगी से कुछ लेना-देना नहीं है। सरकार का पूरा ध्यान कोरोना-युद्ध में लगा हुआ है लेकिन उसका यह कर्तव्य है कि वह किसान-नेताओं की बात भी ध्यान से सुने और जल्दी सुने। देश के किसानों ने इस वर्ष अपूर्व उपज पैदा की है, जबकि शेष सारे उद्योग-धंधे ठप्प पड़े हुए हैं। सरकार और किसान नेताओं के बीच संवाद फिर से शुरू करने का यह सही वक्त अभी ही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई को जल्द 1 करोड़ वैक्सीन

ग्लोबल टेंडर में 7 कंपनियों ने स्पूतनिक और 1 ने फायाजर के लिए भरा टेंडर, 1 जून तक टेंडर फाइल करने की डेट बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के कोरोना वैक्सीन के 5 करोड़ डोज के ग्लोबल टेंडर को अभी तक कोई रिस्पांस नहीं मिला है। इसके विपरीत मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक करोड़ कोविड वैक्सीन के ग्लोबल टेंडर को कुल 8 सप्लायर ने रिस्पांस दिया है। हालांकि, फिर एक बार टेंडर को फाइल करने की आखिरी तारीख को 1 जून तक बढ़ा दिया गया है। पहले 25 तारीख तक टेंडर फाइल करना था। मुंबई महानगर पालिका के आयुक्त

इकबाल सिंह चहल ने बताया कि जिन 8 वैक्सीन सप्लायर ने वैक्सीन सप्लाई करने की इच्छा जताई है, उसमें से 7 ने स्पूतनिक और एक ने फाइजर वैक्सीन आपूर्ति करने की इच्छा व्यक्त की है। गौरतलब है कि मुंबई मनपा ने 12 मई को ग्लोबल टेंडर जारी किया था। तब 18 मई तक 5 वैक्सीन सप्लायर ने रिस्पांस दिया था। इन वैक्सीन सप्लयार को कानूनी दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 25 मई तक का वक्त दिया गया था। अब मंगलवार को तीन नए वैक्सीन सप्लायर ने मुंबई मनपा के टेंडर में रुचि दिखाई है।

वैक्सीन सप्लायरों से इन चार मुद्दों पर हो रहा मोलभाव: मुंबई मनपा के ग्लोबर टेंडर को रिस्पांस देने वाले वैक्सीन सप्लायरों से मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के मार्गदर्शन में अतिरिक्त मनपा आयुक्त (प्रकल्प) पी. वेलरासू, उप आयुक्त (विशेष) संजोग कबरे और सहकर्मी अधिकारी कानूनी प्रक्रिया करने का काम कर रहे हैं। सभी सप्लायर की दस्तावेजों की बारीकी से जांच-पड़ताल कर उनसे वैक्सीन के रेट पर मोलभाव किया जा रहा है। मनपा आयुक्त चहल ने बताया कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी और उसे सप्लायर करने की इच्छुक कंपनी के बीच के व्यवसायिक संबंधों की जांच पड़ताल हो रही है ताकि दिए गए निर्धारित समय सीमा में वैक्सीन की आपूर्ति हो सकती है या नहीं? इसकी जानकारी मिल सके। इसके साथ ही वैक्सीन कितने दिनों में आपूर्ति होगी, कितनी वैक्सीन सप्लाई की जाएगी, वैक्सीन का दाम कितना होगा और भुगतान के नियम व शर्तें क्या होंगी? इन महत्वपूर्ण पहलू पर अत्यंत बारीकी से समीक्षा हो रही है।

भाजपा का ध्यान कोविड-19 से निपटने के बजाय उप्र चुनावों पर है: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनाव में 'कोई खास प्रदर्शन नहीं किया' है और इसलिए उसका पूरा ध्यान कोविड-19 से निपटने के बजाय इस पर है कि कैसे वह अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपनी छवि सुधारे और चुनाव जीते। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने में नाकाम रहने के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपना ध्यान उत्तर प्रदेश की ओर लगा दिया है। मराठी दैनिक समाचार पत्र में दावा किया गया है, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मिशन उत्तर प्रदेश' पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की।' अखबार ने तंज कसते हुए कहा, ऐसा लगता है कि देश में सभी मुद्दे हल हो गए हैं और केवल एक ही काम बचा है चुनाव की घोषणा करना, लड़ना...चुनाव जीतने के लिए बड़ी रैलियां और रोडशो करना। संपादकीय में कहा गया है, इसमें कोई शक नहीं है कि संसदीय लोकतंत्र में चुनाव महत्वपूर्ण है लेकिन क्या मौजूदा हालात में चुनाव प्राथमिकता हैं?

(पृष्ठ 1 का शेष)

एंटीगुआ मीडिया का दावा

सूत्रों के मुताबिक, वह बोट के जरिए डोमिनिका पहुंचा था। चौकसी 3 दिन पहले एंटीगुआ और बारबुडा से लापता हो गया था। इसके बाद इंटरपोल ने उसके खिलाफ यलो नोटिस जारी किया था। बाद में इसी नोटिस को एंटीगुआ सरकार ने भी रिटेन किया। इसके बाद उसकी तलाश तेज कर दी गई। डोमिनिका की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि चौकसी को मंगलवार रात पकड़ा गया। हालांकि, उसे गिरफ्तार किया गया है या पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, यह अब तक साफ नहीं हो सका है। डोमिनिका पुलिस अब कानूनी प्रक्रिया के तहत उसे एंटीगुआ और बारबुडा प्रशासन को सौंपेगी। वहीं एंटीगुआ के प्रधानमंत्री गेस्टन ब्राउनी ने न्यूज एजेंसी से कहा- हमने डोमिनिका सरकार से उसे (मेहुल चौकसी) को हिरासत में लेने को कहा है। वो गैरकानूनी तौर पर उस देश में दाखिल हुआ है। उसे सीधे भारत के हवाले करना चाहिए। मेहुल चौकसी के वकील विजय अग्रवाल ने बताया कि मैंने उनके परिवार से बात की है, और वे खुश हैं। चौकसी का परिवार उनकी जानकारी मिलने के बाद राहत महसूस कर रहा है। चौकसी से बात करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि उन्हें डोमिनिका कैसे ले जाया गया। इस घोटाले का मुख्य आरोपी चौकसी का भांजा नीरव मोदी लंदन की जेल में है। वहां की अदालत और सरकार ने उसके प्रत्यर्पण की मंजूरी भी दे दी है। लेकिन नीरव ने प्रत्यर्पण के फैसले को लंदन के हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में हाईकोर्ट का फैसला आने में 10 से 12 महीने का वक्त लग सकता है।

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं

यहां पिछले 2 महीने के दौरान 36,554 लोगों की मौत हुई है। 25 मार्च तक राज्य में मृतकों की कुल संख्या 53,795 थी। यह अब बढ़कर 90,349 तक पहुंच चुकी है। मृत्यु दर बढ़कर 1.6% तक पहुंच गई है। यानी हर 100 संक्रमित मरीज में से 2 की मौत इस वायरस से हो रही है। 24 मई को छोड़ दें, तो 19 अप्रैल के बाद से राज्य में रोजाना 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे में भी 600 से ज्यादा लोगों की कोरोना की वजह से जान चली गई। 24 मई को थोड़ी सी राहत जरुर मिली थी, जब यह आंकड़ा 361 था। राज्य में अब तक 56.26 लाख से ज्यादा लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। इनमें से 3.14 लाख मरीजों अब भी इलाज चल रहा है। बीते 10 दिनों की बात करें, तो राज्य में 9,837 लोगों की मौत इस बीमारी से हुई। मौतों के बढ़ते आंकड़े यह दर्शाते हैं कि राज्य में गंभीर संक्रमितों की संख्या अभी भी ज्यादा है।

बंगाल चक्रवात यास से बुरी तरह हुआ प्रभावित

सेना ने पश्चिम बंगाल में राहत एवं बचाव कार्य के लिए 17 कॉलम तैनात किए हैं जिनमें उपकरणों और नौकाओं से लैस दक्ष कर्मी शामिल हैं। भारतीय तटरक्षक बल ने भी अपने पोत और हेलीकॉप्टर तैनात किया है। चक्रवात बुधवार सुबह पड़ोसी राज्य ओडिशा के तट से टकराया। तटरक्षक बल ने कहा, बंगाल की खाड़ी में तैनात किए गए तीन तटरक्षक पोत और एक हेलीकॉप्टर क्षेत्र में स्थिति के आकलन और किसी नाविक के फंसे होने की स्थिति में उसे तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए तीव्रतम गति से बंगाल और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों की ओर मोड़ दिए गए हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

यदि किसी विदेसी नागरिक को भारतीय मूल्य के बच्चे को गोद लेना हो तो उसकी क्या प्रक्रिया है?

उत्तर: यदि आप भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई), अनिवासी भारतीय (एनआरआई) या विदेश में रहने वाले विदेशी हैं तो बच्चे को गोद लेने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें:

चरण 1: अपने निवास के देश में संबंधित प्राधिकरण यानी अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी या केंद्रीय प्राधिकरण से संपर्क करें। यदि आपके निवास के देश में कोई अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी या केंद्रीय प्राधिकरण नहीं है, तो आपको उस देश में संबंधित सरकारी विभाग या भारतीय राजनयिक मिशन (भारतीय नागरिकों के मामलों में) से संपर्क करना चाहिए। विदेशी गोद लेने वाली एजेंसियों की सूची के लिए यहां देखें। वे आयोजित किए जाने वाले गृह अध्ययन और पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में आपका मार्गदर्शन करेंगे।

चरण 2: आपको आवश्यक दस्तावेज जमा करने चाहिए। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया उस प्राधिकारी से पूछें जिससे आपने संपर्क किया है।

चरण 3: दो बच्चों को आपको गोद लेने के लिए भेजा जाएगा, और आप 96 घंटे के भीतर एक बच्चे को आरक्षित कर सकते हैं, और दूसरे बच्चे की प्रोफाइल वापस ले ली जाएगी। यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो दोनों प्रोफाइल वापस ले ली जाएंगी। बच्चे को आरक्षित करने के बाद, आपको आरक्षण की तारीख से तीस दिनों के भीतर बच्चे को स्वीकार करना होगा और बच्चे की बाल अध्ययन रिपोर्ट और मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करना होगा। ऐसा करने में विफल रहने पर आपकी प्रोफाइल वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे चली जाएगी और बच्चे की प्रोफाइल वापस ले ली जाएगी। आप बच्चे से व्यक्तिगत रूप से भी मिल सकते हैं, और मेडिकल की समीक्षा किसी डॉक्टर से करवा सकते हैं।

चरण 4: संबंधित प्राधिकारी द्वारा गोद लेने के पक्ष में अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया जाएगा, और बाल दत्तक ग्रहण संसाधन सूचना और मार्गदर्शन प्रणाली (CARINGS) पर पोस्ट किया जाएगा।

चरण 5: यदि आपको अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलता है, तो आप बच्चे को दत्तक-पूर्व पालन-पोषण देखभाल में अस्थायी रूप से ले जा सकते हैं, जबकि न्यायालय का आदेश लंबित है। ऐसा करने के लिए, आपको इस प्रारूप में निम्नलिखित वचन देना होगा। आपको बच्चे की स्थायी अभिरक्षा निम्नलिखित के बाद दी जाएगी:

- बच्चे को पासपोर्ट और वीजा जारी किया जाता है।
- कोर्ट का आदेश पारित किया जाता है।

चरण 6: संबंधित प्राधिकारी संबंधित न्यायालय में एक आवेदन दायर करेगा। न्यायालय की कार्यवाही बंद कमरे में आयोजित की जाएगी, और आपके द्वारा दत्तक ग्रहण आवेदन दायर करने के दो महीने के भीतर आपके आवेदन का निपटारा कर दिया जाएगा।

चरण 7: आपको भारत आना चाहिए और गोद लेने के आदेश की तारीख से दो महीने के भीतर बच्चे को ले जाना चाहिए। इसके बाद, निम्नलिखित किया जाएगा:

न्यायालय द्वारा गोद लेने के आदेश की उपलब्धता के तीन कार्य दिवसों के भीतर संबंधित प्राधिकारी द्वारा एक अनुरूपता प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। प्राधिकरण संबंधित प्राधिकारियों को सूचित करेगा, जैसे कि अप्रवासन प्राधिकरण, आदि। प्राधिकरण बच्चे के लिए भारतीय पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र और ओसीआई कार्ड (यदि लागू हो) प्राप्त करने में सहायता करेगा।

चरण 8: पहले वर्ष के दौरान त्रैमासिक आधार पर और दूसरे वर्ष में हर छह महीने में, गोद लेने की प्रगति का आकलन करने के लिए संबंधित प्राधिकरण अनुवर्ती कार्रवाई करेगा। किसी भी मुद्दे के मामले में, परामर्श प्रदान किया जाएगा, और यदि गोद लेने में व्यवधान या विघटन होता है, तो बच्चे को वापस लिया जा सकता है और गोद लेने के लिए कानूनी रूप से मुक्त घोषित किया जा सकता है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

राहुल और प्रियंका ने केंद्र पर लगाया आरोप

सरकार ने कोरोना से मौत के आंकड़े छुपाये, देश से बोला झूठ

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोरोना वायरस संक्रमण से हुई मौतों के लेकर सरकार झूठ बोल रही है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी दावा किया कि सरकार ने मरने वालों के आंकड़े दबाने के लिए बहुत मेहनत की है। राहुल गांधी ने अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, 'आंकड़े झूठ नहीं बोलते, भारत सरकार बोलती है।' प्रियंका ने भी इसी खबर को लेकर ट्वीट कर कहा, 'हम कभी नहीं जान पाएंगे कि कोविड से मरने वालों की वास्तविक संख्या क्या है क्योंकि सरकार ने महामारी से लड़ने से ज्यादा आंकड़े दबाने के लिए बहुत मेहनत की है।' अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों और मृतकों की संख्या आधिकारिक आंकड़े से कहीं अधिक है।

सुबोध कुमार जायसवाल ने संभाला नए सीबीआई प्रमुख के रूप में कार्यभार

नई दिल्ली। देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नया निदेशक मिल गया। आईपीएस अधिकारी सुबोध कुमार जायसवाल ने बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नए निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। प्रमुख जांच एजेंसी के शीर्ष पद के लिए उनके नाम को मंजूरी मिलने के एक दिन बाद उन्होंने कार्यभार संभाला। मंगलवार को, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने एक आदेश में कहा, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने समिति द्वारा अनुशंसित पैनल के आधार पर, सुबोध कुमार जायसवाल, आईपीएस, (महाराष्ट्र 1985) की निदेशक के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी सहित प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा नए सीबीआई प्रमुख बनने के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा के एक दिन बाद जायसवाल को सीबीआई निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। सीबीआई के नए निदेशक के रूप में शामिल होने से पहले, जायसवाल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के महानिदेशक थे। उन्होंने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक के रूप में भी काम किया है और भारत की खुफिया एजेंसी, रॉ में काम किया है। सीबीआई को आरके सिंह के कार्यकाल के बाद प्रवीण सिन्हा के रूप में एक कार्यवाहक निदेशक मिला था।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई महासचिव अशोक पंचाल ने कूपर अस्पताल में मरीजों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

इस मौके पर मरीजों को फल, मास्क व सैनिटाइजर किया वितरण

मुंबई। कूपर अस्पताल में मरीजों को फल मास्क व सैनिटाइजर बांटकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई महासचिव अशोक पंचाल ने मरीजों के साथ अस्पताल में मनाया अपना जन्मदिन। अशोक पंचाल ने कहा मैंने अपने जन्मदिन पर इस बार कुछ खास करने का सोचा था, अस्पताल में मरीजों के साथ जन्मदिन मनाना मेरे लिए बहुत खास अवसर रहा, मेरा यह जन्मदिन एक यादगार पल बन चुका है। मैं अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं कि मुझको अपने जन्मदिन के अवसर पर कुछ सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। अशोक पंचाल से पूछे जाने पर उन्होंने कहा यह सब जो भी मैंने किया है यह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्कार है जिस पर हम हमेशा चलते रहेंगे। यामिनी पंचाल ने कहा मुझे बहुत खुशी है कि आज मैंने अस्पताल में जाकर मरीजों को फल मास्क बांटे जन्मदिन तो सभी अपने घरों में होटलों में पार्टियां करके मनाते हैं लेकिन आज का दिन मेरे लिए बहुत यादगार दिन है कि मुझे कुछ मरीजों के बीच सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। जिसका पूरा श्रेय मैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व अशोक पंचाल जी को देना चाहूंगी। कूपर अस्पताल के डीन डॉ. पिनाकिन गुज्जर ने अशोक पंचाल को जन्मदिन की बधाई दी और उनके इस कार्य की तारीफ की। सभी मरीजों ने अशोक पंचाल को उनकी लंबी आयु का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर यमिनिबेन पंचाल, ज्योतिषाचार्य सीमा गुप्ता जी, कल्ली भाई, पत्रकार आशीष भंडारी एनसीपी के आकाश शिंदे पत्रकार कलाकान्त अथनिकर, उत्तम ससाने, एनसीपी सामाजिक न्याय उत्तर मुंबई जिल्ला अध्यक्ष मा शंकर देशमुख मौजूद थे।

कूपर अस्पताल के डीन डॉ. पिनाकिन गुज्जर ने अशोक पंचाल को दी जन्मदिन की बधाई

मां का पुलिस पर आरोप, मास्क न पहनने पर बेटे के हाथ-पैर में ठोक दी कीलें

बरेली। बुधवार को एक युवक की मां ने आरोप लगाया कि उसके बेटे को कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर पुलिस ने उसके हाथ और पैर में कीलें ठोंक दी लेकिन पुलिस ने इससे साफ इंकार किया है। बारादरी के जोगी नवादा के रहने वाले युवक रंजीतकी मां कुसुमलता ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कोरोना कर्फ्यू का उल्लघन करने पर उसके बेटे के हाथ और पैर में कील ठोंक दी गयीं। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह साजवान ने इन आरोपो को पूरी तरह से निराधार बताया और कहा कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने स्वयं इस काम को अंजाम दिया है। एसएसपी साजवान ने बताया कि रंजीत नामक युवक 24 मई को बिना मास्क के घूम रहा था और इस बारे में टोकने पर उसने पुलिसकर्मियों के साथ बदतमीजी की थी। इस प्रकरण में उसके खिलाफ थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही थी। मंगलवार रात भी पुलिस ने आरोपी के यहाँ दबिश दी थी लेकिन वह नहीं मिला। एसएसपी ने कहा कि पुलिस से बचने के लिए युवक ने यह नाटक किया। घटना 24 मई की है जबकि घटना के बाद से ही वह मौके से फरार हो गया था। कुसुमलता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि कि बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा के रहने वाले रंजीत सोमवार की रात करीब दस बजे अपने घर बाहर बैठा हुआ था, इसी बीच पुलिसकर्मी वहां पहुंचे। पुलिस ने सभी लोगों को मास्क लगाने को कहा। उन्होंने कहा कि इस बीच रंजीत का पुलिसकर्मियों से विवाद हुआ था। उन्होंने दावा कि विवाद के बाद पुलिसकर्मी रंजीत को जबरन अपने साथ ले गए ले गए थे और बाद में पुलिसकर्मी उसको मरणासन्न अवस्था में फेंक कर चले गए।

मजबूत होगी निगरानी: लद्दाख-एलएसी क्षेत्र में जल्द ही इस्राइली हेरॉन ड्रोन की तैनाती करेगा भारत

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय बल अपनी निगरानी क्षमताओं को बेहतर करने के लिए तैयार हैं। जल्द ही भारत को इस्राइल से आधुनिक हेरॉन ड्रोन मिलने वाले हैं। इन ड्रोन को लद्दाख और एलएसी के अन्य इलाकों में तैनात किया जाएगा, जिससे चीनी सेना की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत जवाब दिया जा सके। खबर के अनुसार सरकारी सूत्रों ने बताया कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की वजह से इन ड्रोन की भारत में डिलिवरी होने में देरी के बावजूद भारतीय सैन्य बलों को जल्द ही चार हेरॉन ड्रोन मिलने वाले हैं। ये मौजूदा हेरॉन ड्रोन के मुकाबले ज्यादा आधुनिक हैं और इनकी एंटी-जैमिंग क्षमता कहीं बेहतर है। ये ड्रोन करीब 45 घंटे तक 35 हजार फुट की ऊंचाई तक उड़ने में सक्षम हैं। ये

स्वचालित टैक्सी टेक-ऑफ व लैंडिंग के साथ उपग्रह संचार (सैटकॉम) से लैस हैं। इनमें लंबी रेंज वाले निगरानी कैमरे व अन्य अत्याधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। भारत अमेरिका से तीन अरब डॉलर में बहुद्देशीय प्रीडेटर ड्रोन भी खरीदने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि इन ड्रोन की खरीद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रक्षा बलों को दी गई आपात वित्तीय शक्तियों के तहत की जा रही है। इसके तहत सैन्य बल अपनी क्षमताओं को बेहतर करने के लिए 500 करोड़ रुपये तक के उपकरण खरीद सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यह अनुमति चीन के साथ विवाद के बीच दी गई थी। उल्लेखनीय है कि भारतीय सुरक्षा बल हथियार प्रणालियों को हासिल करने के लिए इस तरह की पहल कर रहे हैं जो चीन के साथ चल रहे संघर्ष में उनकी मदद कर सकते हैं। बता दें कि पिछली बार रक्षा बलों को ऐसी सुविधा 2019 में पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों के खिलाफ बालाकोट हवाई हमले के ठीक बाद दी गई थी।

नौसेना और वायुसेना ने भी खरीदे हथियार-उपकरण: उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की ओर से मिली इस आपात शक्ति का उपयोग करते हुए भारतीय नौसेना ने दो प्रीडेटर ड्रोन लीज पर लिए हैं। ये ड्रोन अमेरिकी फर्म जनरल एटॉमिक्स से लिए गए हैं। वहीं, भारतीय वायु सेना ने बड़ी संख्या में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलों के साथ अधिक मारक क्षमता वाले कई अन्य हथियार खरीदे हैं।

कोरोना महामारी के दौरान कानून बन सकते हैं, तो वापस क्यों नहीं हो सकते : राकेश टिकैत

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि अगर महामारी के दौरान कानून बन सकते हैं, तो वापस क्यों नहीं हो सकते? साथ ही दोहराया कि केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के बाद ही आंदोलनरत किसान दिल्ली की सीमाओं से हटेंगे। टिकैत के बयान उस दिन आया है जब केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं टीकरी, गाजीपुर और सिंघू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपने आंदोलन के छह माह पूरे होने पर बुधवार को 'काला दिवस' मनाया और इस दौरान उन्होंने काले झंडे फहराए, सरकार विरोधी नारे लगाए, पुतले जलाए। दिल्ली-उत्तर प्रदेश की सीमा पर गाजीपुर बॉर्डर पर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा, 'यह आंदोलन लंबे समय तक जारी रहेगा।' इस बीच, 'काला दिवस' आयोजन के दौरान दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर प्रदर्शनकारियों

के समूहों ने यूपी गेट पर एकत्र होकर प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हल्का टकराव भी हुआ, जिसको लेकर भाकियू ने आरोप लगाया कि पुतला दहन के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा पुतला खींचे जाने के कारण एक किसान मामूली रूप से जल गया। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, यह आंदोलन लंबे समय तक जारी रहेगा। अगर कोविड महामारी के दौरान कानून बनाए जा सकते हैं तो महामारी के दौरान वापस क्यों नही लिए जा सकते? उन्होंने आरोप लगाया, सरकार आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही है और भविष्य में भी ऐसा करेगी। लेकिन, किसान दिल्ली की सीमाओं से हटने वाले नहीं हैं। किसान केवल उसी शर्त पर घर वापस जा सकते हैं, जिनमें तीन कृषि कानूनों को रद्द करने और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून लागू किया जाना शामिल है।

बुलढाणा हलचल

लोणार पुलिस ने किया दोपहिया चोरी का पर्दाफाश, 11 दोपहिया वाहन जब्त, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र देशमुख और उनकी टीम ने दोपहिया चोरों की जांच, पर्दाफाश करने, मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने और विभिन्न कंपनियों के 11 दुपहिया वाहन जब्त करने के लिए दिन-रात दो अलग-अलग टीमों का गठन किया। इस संबंध में विवरण है कि थाना लोनार 01 अपराध संख्या 20/2021 धारा 379 आई.डी.वी., 02 अपराध संख्या 69/2021 धारा 379 आई.डी.वी. 03 अपराध संख्या 131/2021 धारा 379 आईपीसी लोनार पुलिस स्टेशन में तीन अपराध दर्ज किए गए थे। पीआई देशमुख मामले की गहराई से जांच कर और विभिन्न स्थानों से सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच पर ध्यान केंद्रित करते हुए आरोपियों को पकड़ने के लिए दो अलग-अलग पुलिस दस्ते का गठन किया है। तलाशी अभियान चल ही रहा था कि टीम को अप नंबर १३१/२०२१ सेक्शन ३७९ आई.डी.वी.अपराध में दोपहिया वाहन चोरी हुई हारिस खान नशीर खान, 20 वर्षीय,लोणार निवासी, कटेनगर, ने बाइक को चुराकर बेचने की जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र देशमुख ईन की रिपोर्ट के अनुसार लोनार के कटेनगर निवासी हारिस खान नासिर खान को गिरफ्तार

कर हिरासत में लेकर चोरी हुए दोपहिया वाहन के बारे में पूछताछ की गयी। उस समय हारिस खान नासिर खान ने कहा, 'मैं लोनार शहर का रहने वाला हूं और मेरी हालत खराब है।' इसलिए मैंने लोनार शहर में एक पुराने दोपहिया चोर के साथ शुरूआत की, मैंने लोनार शहर 01 से विभिन्न कंपनियों के कुल 11 दोपहिया वाहन चुराए। ईन मे हीरो होंडा कंपनी का फैशन प्लस बिना नंबर की कीमत लगभग 10 हजार, 02 हीरो होंडा सीडी 100 बिना कीमत के कीमत करीब 10 हजार, 03 हीरो होंडा कंपनी सीडी 100 एमएच 28 जे2005 कीमत करीब 15 हजार, 04 हीरो होंडा कंपनी स्लेंडर प्लस नंबर एमएच 28एन2347 कीमत करीब 10 हजार, 05 बजाज, पयाम नंबर एमएच 28 4922 कीमत करीब 10 हजार, 06 हीरो होंडा सीडी 100 नंबर एमएच 28 3653 कीमत 10 हजार, 07 हीरो होंडा कंपनी का पैशन प्लस बिना नंबर कीमत 10 हजार, 08 हीरो होंडा कंपनी की स्लेंडर प्लस एमएच 28एफ 6059 कीमत करीब 15 हजार रुपये, 09 जीरो होंडा कंपनी की पैशन प्लस एमएच 28एफ 2586 कीमत करीब 10 हजार। एमएच 28के 198 कीमत करीब 10 हजार 11 हीरो हॉडा स्लेंडर प्लस कीमत करीब 10 हजार कुल 11 मोटरसाइकिल (कीमत करीब 1 लाख 15 हजार रुपये। आरोपी दुपहिया की नंबर प्लेट हेर फेर करता था, दोपहिया वाहन की आरसी बुक नंबर मे काटछाट कर, आरसी बुक का कलर फोटो खींचकर लेमिनेट कर लोणार शहर मे में बेच रहा था। लोणार में उसका धंधा लगभग 5 से 6 महीने से चल रहा था। लोनार थाने की एक टीम ने चौकी के लिए अथक प्रयास किया। अरविंद चावरिया पोलीस अधीक्षक बुलडाणा, बजरंग बनसोडे अप्पर पोलीस अधीक्षक बुलडाणा, विलास यामावार उपविभागीय पोलीस अधिकारी मेहकर ईन के मार्गदर्शन मे वरिष्ट पो.नि.रवींद्र देशमुख, पो.उ.नि भारत बर्डे, पोहेकॉ. सुरेश काळे, पोका कृष्णा निकम, पो. कॉ चंद्रशेखर मुरडकर, पो.कॉ. किशोर बोरे, पोका तेजराव भोकरे ने ये कारवाई अंजाम दी।

विधायक संजय गायकवाड़ के घर के सामने इनोवा कार को आग लगाने का प्रयास

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बनी शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ इन्के घर के सामने खडी इनोवा कार पर पेट्रोल डालकर विस्फोट कर उनके पूरे घर पर कायरतापूर्ण हमला करने कि कोशिश आज, मंगलवार, 26 मई,की रात लगभग 3 बजे की गई। संजय गायकवाड़ मुंबई गए हुए थे, वो रात के करीब डेढ़ बजे घर लौटे। करीब तीन बजे दो अज्ञात व्यक्ति एक दोपहिया वाहन पर आए, जहां वाहन का पेट्रोल टैंक था वहां पेट्रोल

डाल दिया और इनोवा में आग लगा दी। आरोप है कि घर को नुकसान पहुंचाकर गायकवाड़ परिवार को जखमी करने के इरादे से हमला किया गया। इस बीच आरोप है कि हमले के दौरान हमलावरों ने इलाके की बिजली आपूर्ति काट दी थी। घटना की जांच के लिए स्थानीय अपराध शाखा की टीम सुबह मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। विधायक संजय गायकवाड़ ने भी गृह मंत्री दिलीप वळसे पाटिल को घटना की जानकारी दी है। पुलिस अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

राजस्थान हलचल

नेवादा ब्लॉक के मखऊपुर में ग्राम पंचायत सदस्य का प्रमाण पत्र देने में की गई हेरा फेरी

अधिकारियों की मिली भगत से वही अधिकारी जवाब देने को तैयार नहीं एक दूसरे पर आरोप लगा रहे आरोप जिम्मेदार नहीं निभा रहे अपना फर्ज

प्रपत्र–13

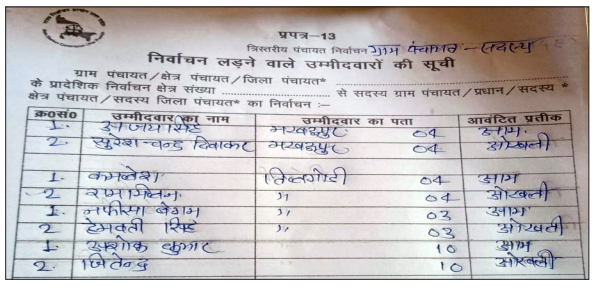

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन ग्राम पंचायत – सदस्य

निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची

ग्राम पंचायत/क्षेत्र पंचायत/जिला पंचायत* .... के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र संख्या .... से सदस्य ग्राम पंचायत/प्रधान/सदस्य * क्षेत्र पंचायत/सदस्य जिला पंचायत* का निर्वाचन :–

क्र0सं0	उम्मीदवार का नाम	उम्मीदवार का पता		आवंटित प्रतीक
1.	अजय सिंह	मखऊपुर	04	आम
2.	सुरेश चन्द दिवाकर	मखऊपुर	04	ओखली
1.	कमलेश	तिलगोटी	04	आम
2	रामामिलन	”	04	ओखली
1.	नफीसा बेगम	”	03	आम
2	हेमवती सिंह	”	03	ओखली
1.	अशोक कुमार		10	आम
2.	जितेन्द्र		10	ओखली

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

माखूपुर कौशांबी। बड़ी लापरवाही सामने आई है। रेखा देवी पत्नी नरेंद्र कुमार वार्ड नंबर 7 से फर्जी तरीके से ब्लॉक अधिकारी के मदद से प्रमाण पत्र दिया गया जो कि अवैध एवं फर्जी है कौशांबी में मामला सामने आया है नेवादा ब्लॉक के मखऊपुर गांव में बनाए गए ग्राम पंचायत सदस्य निर्विरोध 11 चुने गए जो इस प्रकार जो इस प्रकार है वार्ड नंबर 6, 3, 5, 10, 12, 9, 15, 01, 13, 14, व वार्ड नंबर 8 है वार्ड नंबर 4 पर चुनाव हुआ टोटल 15 ग्राम पंचायत सदस्य हैं इस प्रकार वार्ड नंबर 2, 7, व 11 पर चुनाव होना लेकिन कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से वार्ड नंबर 7 पर अपनी मर्जी से फर्जी तरीके से प्रमाण पत्र दे दिया गया वीडियो नेवादा से बात करने पर कहते हैं एडीओ पंचायत से बात करें एडीओ पंचायत कहते हैं ए आर ओ से बात करें ए आर ओ से बात करने पर वह कहते हैं मेरे पास रजिस्टर है मैं देख कर बता रहा हूं लेकिन दुर्भाग्य है दोबारा फोन मिलाने पर वह फोन नहीं उठा रहे कई बार कोशिश की गई बात करने की लेकिन वो फोन नहीं उठा रहे हैं किस कर्मचारियों की मिलीभगत से ऐसा हुआ कोई बोलने को तैयार नहीं अधिकारियों की मिलीभगत होने के कारण वार्ड नंबर 7 पर फर्जी तरीके से सदस्य बना दिया जिस सदस्य का फार्म ही जमा नहीं हुआ उसको प्रमाण पत्र कैसे दे दिया गया यह एक जांच का विषय है इसी तरह औरो गांव में भी इसी तरह का खेल खेला गया है। जब हमारे संवाददाता ने इस मामले पर आरओ से बात करनी चाहिए उन्होंने वीडियो के तरफ इशारा करते हुए कहा वह जाने। और जब हमारे संवाददाता ने वीडियो से बात किया तो उन्होंने आरो तरफ बात कह कर छोड़ दिया। बाकी आप खुद समझदार है खुद समझ सकते हैं दोनों अधिकारी एक दूसरे के तरफ इशारा कर रहे हैं इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और जांच होनी चाहिए।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर में अपराधियों के हौसले बुलंद, निजी अस्पताल में घुसकर मरीज पर किया अंधाधुंध फायरिंग, बाल बाल बचे मरीज

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में बेखौफ अपराधी लूट, हत्या जैसी बारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अपराधियों का मनोबल इस कदर बढ़ गया है की वह अस्पताल में घुसकर कई राउंड गोलीबारी कर, घटना को अंजाम देकर अपराधी आराम से चलते बने। ताजा मामला समस्तीपुर शहर के बीचोबीच स्थित डॉ. आरपी मिश्रा रोड का है जहां अहले सुबह अस्पताल में घुसकर हथियारबंद अपराधियों ने इलाजरत एक मरीज पर अंधाधुंध गोली चलाई। हालांकि फायरिंग में मरीज बाल-बाल बच गया। घटना से हॉस्पिटल और शहर में दहशत का माहौल बन गया है। सूचना पर नगर पुलिस पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। बता दें की मरीज कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बासुदेवपुर निवासी दीपक कुमार उर्फ हीरा सिंह है जो सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जिसको इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। बहरहाल जिले में यह पहली घटना है जिसमें बेखौफ अपराधी ने अस्पताल में घुसकर मरीज को गोलीबारी किया है। निजी अस्पताल प्रबंधक में भी दहशत का माहौल बन गया है। इस अपराधिक घटनाओं से ये तो साफ है कि समस्तीपुर में पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने में विफल है।

टीका एक्सप्रेसके 34 वाहनों को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले में 45 + आयु वर्ग श्रेणी में टीकाकरण की प्रगति के दृष्टिगत एवं दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में लाभार्थियों के घर के समीप टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराने एवं टीकाकरण सत्रों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से टीका एक्सप्रेस के 34 वाहनों को समाहरणालय परिसर से जिलाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त टीका एक्सप्रेस वाहनों का परिचालन प्रत्येक प्रखंड के लिए, तैयार माइक्रो प्लान के अनुसार पंचायतवार घनी आबादी वाले सार्वजनिक स्थलों पर टीकाकरण करने हेतु किया जाएगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में 45 + आयुवर्ग के व्यक्तियों के टीकाकरण कार्य में तेजी लाते हुए अधिक से अधिक लोगों को आच्छादित किया जा सके। कोरोना वायरस संक्रमण श्रृंखला को तोड़ने एवं कोरोना वायरस संक्रमण के फैलाव को नियंत्रित करने के लिए पंचायतवार टीकाकरण रथ को चलाने का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में 45 + आयु वर्ग के व्यक्तियों के टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करना है। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए टीकाकरण अति आवश्यक है ताकि शरीर के प्रतिरक्षण प्रणाली को सुदृढ़ कर संक्रमण से बचाव हो सके। अतः जिला वासियों से अपील किया जाता है कि आप सभी पात्र लाभार्थी कोरोना वायरस से जंग जीतने के लिए टीका अवश्य लगवाएं। यह टीका जीवन रक्षक है और कोरोना वायरस से बचने के लिए सुरक्षा कवच के समान कारगर है। जिन लोगों ने टीके का प्रथम डोज ले लिया है वे दूसरा डोज ससमय लगवा लें। अपने स्वास्थ्यहित के लिए टीका अवश्य लगाएं और स्वयं तथा अपने प्रियजनों को कोरोना वायरस की चपेट में आने से बचाएं, इसके लिए सतर्कता और सजगता अति आवश्यक है। कोरोना वायरस संक्रमण के गंभीरता को समझे और पहले से ही सचेत हो जाए। यह वायरस केवल आपको संक्रमित नहीं करता है अपितु आपके संपर्क में आने वाले आपके प्रियजनों /लोगों को भी संक्रमित कर सकता है। इसीलिए सभी जिलावासियों से एक बार फिर से अपील है कि टीका अवश्य लगाएं और स्वयं को संक्रमण से सुरक्षित करें। मास्क पहने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, अपने घर के आसपास साफ सफाई बनाएं रखें एवं अनावश्यक घर से बाहर ना निकलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

30 मिनट की सैर करेंगे तो नहीं आएगी घुटने बदलने की नौबत

साल 2014 में देश में लगभग 70 हजार लोगों ने घुटने और 6 हजार लोगों ने हिप की रिप्लेसमैंट करवाई। इन अंगों की रिप्लेसमैंट उन लोगों के लिए फैशन बनने लगी है जिन्हें दर्द बिल्कुल सहन नहीं होता और वे दर्द का फौरन इलाज चाहते हैं। ऐसे लोगों को सर्जन रिप्लेसमैंट सर्जरी की सलाह देते हैं जिन्हें वे मान भी लेते हैं। चिंता की बात यह है कि 30-40 वर्ष के युवा घुटने और हिप की रिप्लेसमैंट करवा रहे हैं जबकि वे इस समस्या से जीवनशैली और खानपान में बदलाव कर निजात पा सकते हैं।

जितना हो सर्जरी टालें : ऑथोपैडिक विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि किसी को आर्थराइटिस की गंभीर समस्या है तो घुटने की रिप्लेसमैंट करवाना सही विकल्प है, लेकिन प्रारंभिक अवस्था में इससे कसरत और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं से आराम पाया जा सकता है।

पेन किलर किडनी को पहुंचती है नुकसान : घुटनों व कूल्हों के दर्द का सबसे पहला उपचार है पेन किलर जो पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि ये घुटने का दर्द कम तो करते हैं लेकिन लिवर व किडनी को भी नुक्सान पहुंचाते हैं। यदि दवाएं लेने व कसरत के दौरान, चलते समय दर्द या पैरों में टेढ़ापन महसूस हो तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। लाइफ स्टाइल बदलें आमतौर पर 20 वर्ष की आयु के बाद से घुटनों के घिसने व दोबारा बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है लेकिन 40 साल के बाद हड्डी बनने की तुलना में घिसती ज्यादा है। खानपान और जीवनशैली में बदलाव कर हड्डियों को मजबूत रखा जा सकता है। विटामिन डी कैल्शियम और प्रोटीन युक्त चीजों को भोजन में शामिल करें। 30-40 साल की उम्र के बाद आलती-पालती मारकर बैठना व सीढ़ियों पर उतरने-चढ़ने की बजाय पैदल चलना ज्यादा उचित होता है।

- चलते समय हमारी आंख, दिमाग और पैरों का संतुलन नहीं गड़बड़ाना चाहिए।
- स्थिर कदमों से चलें। अपना सिर ऊंचा रखें। रीढ़ की हड्डी सीधी रखें।
- हाथों को 90 डिग्री पर झुकाकर आगे-पीछे हिलाएं।
- सीढ़ियों पर चढ़ते समय किसी से आगे निकलना हो या क्रॉस करना हो तो दिशा बदल लें।
- स्मूथ व साफ जगह पर भी दौड़ना हो तो पहले बॉडी वॉर्मअप जरूर करें।
- फिसलन व ऊबड़-खाबड़ सड़क पर न दौड़ें।

सावधानी से चलें

चलने-फिरने में सावधानी बरतने से पैरों और घुटनों को भी फिट रखा जा सकता है। 30 मिनट रैगुलर वॉक से मोटापे और डायबिटीज का खतरा घटता है। 65 किलो वजन का व्यक्ति 6.5 कि.मी. प्रति घंटे की गति से चले या दौड़े तो एक घंटे में 362 कैलोरी बर्न कर सकता है। वॉक करने से डायबिटीज, ऑस्टियोपोरोसिस, तनाव में भी लाभ होता है। वॉकिंग नैचुरल कसरत है जो हृदय रोगों से बचाती है और हड्डियों को मजबूत कर मोटापे को घटाती है। इनके लिए जरूरी है कि आराम से व सही पोश्चर में चले

एक कटोरी दलिया खाकर दूर रखें बड़ी बीमारियां

दलिया साबुत अनाज है, इसमें प्रोटीन,विटामिन बी1, बी2,फाइबर के अलावा और भी बहुत सारे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में शामिल हैं। लो कैलोरी दलिए का सेवन ज्यादातर लोग नाश्ते में करते हैं। सुबह के समय दलिए का सेवन करने से सारा दिन शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, इसे अलावा शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए नाश्ते में खाया गया दलिया बहुत फायदेमंद साबित होता है। आइए जानें इसके फायदे।

1. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल

शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से आजकल हर 5 मे से 2 लोग परेशान हैं। इसे नियंत्रित करना बहुत जरूरी है क्योंकि कोलेस्ट्रॉल की गड़बड़ी दिल के रोग पैदा करने का काम करती है। दलिया में पाए जाने वाले घुलनशील और अघुलनशील फाइबर हाई कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इससे दिल के रोग होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

2. हड्डियां मजबूत

संतुलित आहार की अनदेखी से आजकल बहुत लोग हड्डियों की कमजोरी से जूझ रहे हैं। दलिया मैग्नीशियम और कैल्शियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है। रोजाना इसका सेवन करने से बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द की शिकायत नहीं होती। यह पित्ते की थैली को भी साफ करने का काम करता है। जिससे पित्ते की पथरी से बचाव रहता है।

3. वजन करे कम

कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने के बावजूद भी कम होने का नाम नहीं लेता। काबोर्हाइड्रेट से भरपूर दलिया नाश्ते में खाने से वजन जल्दी ही नियंत्रण में आना शुरू हो जाता है। दलिया खाने से पोषक तत्वों की पूर्ति भी हो जाती है और लंबे समय तक भूख भी महसूस नहीं होती।

4. खून की कमी दूर

शरीर में आयरन की कमी होने से खून का स्तर भी कम हो जाता है। जिससे कमजोरी और थकावट महसूस होने लगती है। दलिया आयरन का बहुत अच्छा स्त्रोत है। यह खून की मात्रा को बेलेंस करके रखता है। इससे अलावा इससे मेटाबॉलिज्म की बढ़ने लगता है।

5. ब्रेस्ट कैंसर से बचाव

ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी के मामले भी आजकल आम सुनने को मिल रहे हैं। यह महिलाएं में होने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। इससे बचने के लिए साबुत अनाज का सेवन फायदेमंद है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि फाइबर से भरपूर दलिया ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम कर देता है।

6. डायबिटीज में लाभकारी

मैग्नीशियम से भरपूर दलिया शरीर में लगभग 300 प्रकार के एंजाइम बनाता है। ये एंजाइम इंसुलिन बनाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा ये ब्लड तक ग्लूकोज की जरूरी मात्रा पहुंचाने का भी काम करते हैं। रोजना दलिया खाने से टाइप-2 की बीमारी कंट्रोल हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रावण का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह हर तरह के किरदार में दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। साल 2018 में रिलीज हुई 'पद्मावत' में खिलजी का निगेटिव किरदार निभाकर उन्हें खूब तारीफें बटोरी थी। वहीं अब खबरें आ रही हैं कि रणवीर सिंह पर्दे पर रावण का किरदार निभा सकते हैं। खबरों के अनुसार केवी विजयेंद्र प्रसाद रामायण पर आधारित एक फिल्म 'सीता' बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म में वो सीता के नजरिए से रामायण को दिखाएंगे। फिल्म का निर्देशक अलौकिक देसाई करेंगे और इसे 'बाहुबली' की तरह ही भव्य और बड़े स्तर पर बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में सीता के रोल के लिए करीना कपूर या आलिया भट्ट नजर आ सकती हैं। वहीं रावण के किरदार के लिए रणवीर सिंह को अप्रोच किया गया है। अगर फिल्म में करीना को साइन किया जाता है और रणवीर भी हां कर देते हैं, तो यह दोनों की साथ में पहली फिल्म होगी। करीना और रणवीर दोनों को ही अपने किरदार पसंद आए हैं, लेकिन अभी फाइनल नैरेशन का इंतजार है। पद्मावत के बाद यह रणवीर की दूसरी फिल्म होगी, जिसमें वह निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। रणवीर सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 83 में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह पूर्व भारतीय क्रिकेटर कपिल देव का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसके अलावा वह सर्कस और जयेशभाई जोरदार में नजर आने वाले हैं।

आलिया के हाथ लगी एक और पैन इंडिया फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट एसएस राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'आरआरआर' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट साउथ फिल्मों के मेगास्टार राम चरण के साथ ऑनस्क्रीन नजर आने वाली हैं। अब आलिया को एक और पैन इंडिया फिल्म का प्रस्ताव मिल गया है। खास बात यह है कि इसमें भी वह राम चरण के साथ ही इश्क फरमाती नजर आएंगी। खबरों के अनुसार आलिया को एक बड़े बजट की पैन इंडिया फिल्म 'आरसी 15' का प्रस्ताव मिला है। शंकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के हीरो राम चरण हैं। आलिया ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन इस फिल्म को उन्होंने अभी साइन नहीं किया है। इस खबर के बाद यकीनन आलिया और राम चरण के फैंस खुशी से झूमने लगेंगे। पिछले महीने फिल्म से सलमान खान का नाम भी जुड़ा था। चर्चा थी कि वह इसमें एक सख्त पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। इस किरदार के लिए शंकर, राम चरण से बड़ा कलाकार तलाश रहे थे। ऐसे में उन्हें सलमान एकदम फिट लगे। 'आरसी 15' के जरिए राम चरण ने पहली बार निर्देशक शंकर से हाथ मिलाया है। यह एक जबरदस्त पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है, जिसमें राम चरण एक कअर अफसर की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म में अपने किरदार के साथ न्याय करने के लिए राम चरण ने अपना वजन घटाया है। फिल्म में उनका लुक देखने लायक होगा।

जैकलीन की मदद से खुश हुई मुंबई पुलिस

कोरोना काल में कई सेलेब्स दिल खोलकर मदद का हाथ आगे बढ़ा रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस भी संकट की इस घड़ी में हरसंभव सहायता कर रही हैं। एक्ट्रेस ने फ्रंडलाइन वॉरियर्स के लिए बहुत ही सराहनीय काम किया है। उन्होंने मुंबई पुलिस को सेफ्टी गाड्र्स और रेनकोट मुहैया कराई है। अब मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस को अपनी तरफ से धन्यवाद दिया है। जिसके बाद एक्ट्रेस बेहद खुश हैं। मुंबई पुलिस ने अपने इस खास ट्वीट में लिखा, अब जून दस्तक देने वाला है, जहां मुंबई में वर्षा शुरू होने वाली है। उन्होंने लिखा, हम अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस को शुक्रिया कहना चाहते हैं। जिन्होंने हमें रेनकोट और अन्य सुरक्षा गार्ड भेजे हैं। एक्ट्रेस की योलो फाउंडेशन ने बहुत ही अच्छा काम किया है। ये हमें अपनी पर्सनल सेफ्टी में बहुत काम आने वाली है। जैकलीन फर्नांडीस शुरूआत से ही लोगों के लिए काम कर रही हैं। जहां पिछले कई दिनों से एक्ट्रेस कई गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर लोगों की मदद कर रही है। हाल ही में उन्होंने मुंबई की रोटी बैंक के साथ मिलकर 1 लाख से ज्यादा लोगों तक खाना पहुंचाने का काम किया है। जैकलीन ने पुणे पुलिस की तरफ भी मदद का हाथ आगे बढ़ाया था। एक्ट्रेस लगातार सलमान खान के एनजीओ बीइंग ह्युमन के साथ मिलकर भी ऐसे काम पहले भी कर चुकी हैं। जहां वो पिछले साल सलमान के साथ मिलकर भी लोगों के लिए काम कर रही थीं।